राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 27 अप्रैल 2026
वर्ष 14, अंक 18, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा खेल उजागर...03

30 दिन बाद फिर होगी पार्टी', व्हाइट हाउस में फायरिंग के बाद बेखौफ ट्रंप...04

चूहे खा गए रिश्वत की रकमः सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी, कहा- राज्य को भारी राजस्व नुकसान

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषी ठहराई गई महिला को जमानत देते हुए उस दावे पर हैरानी जताई कि मामले में बरामद रिश्वत की रकम चूहों द्वारा नष्ट कर दी गई। अदालत ने कहा कि इस तरह की स्थिति राज्य के लिए भारी राजस्व नुकसान का कारण बन सकती है। जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा, 'हमें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि मुद्रा नोट चूहों ने नष्ट कर दिए। हम सोचते हैं कि ऐसे मामलों में बरामद कितनी रकम इसी तरह नष्ट हो जाती होगी। यह राज्य के लिए बड़ा राजस्व नुकसान है।'

पीठ ने यह भी कहा कि नोट नष्ट होने के संबंध में दिया गया स्पष्टीकरण विश्वास पैदा नहीं करता। मामला एक महिला अधिकारी से जुड़ा है, जो उस समय बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। उन पर 10 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था। निचली अदालत ने उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन बाद में पटना हाइकोर्ट ने निचली अदालत का फैसला पलटते हुए दोषी ठहराया और सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत चार वर्ष और तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इस सजा पर रोक लगाते हुए महिला को जमानत पर रिहा

करने का आदेश दिया है। जमानत की शर्तें ट्रायल कोर्ट तय करेगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस अवलोकन पर भी ध्यान दिया, जिसमें कहा गया कि जब्त की गई रिश्वत की रकम वाला लिफाफा चूहों द्वारा नष्ट किया गया। हालांकि मालखाना रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि मौजूद है। पटना हाईकोर्ट ने माना था कि केवल रकम का नष्ट हो जाना अभियोजन के मामले को कमजोर नहीं करता, यदि अन्य साक्ष्य दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हों। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि इस पहलू की अंतिम सुनवाई के समय विस्तार से जांच की जाएगी।

ऐसे मामले और भी जगहों से सामने आये हैं ,बानगी देखें-

झारखंड में नशेड़ी चूहे! पुलिस बोली- 200 किलो गांजा चट कर गए और शराब भी गटक गए...4 Jan 2026

झारखंड में चूहों को लेकर हैरान करने वाले मामले सामने आए हैं, जो पुलिस और उत्पाद विभाग की लापरवाही को उजागर कर रहे हैं। इन घटनाओं में दावा किया गया है कि चूहों ने गांजा और शराब जैसी नशे की वस्तुएं खा ली हैं, और इन बहानों ने कई आरोपियों को अदालत से बरी भी करवा दिया है।

200 किलो गांजा गायब, आरोपी बरी

साल 2022 में ओरमांझी पुलिस ने एक बोलेरो से करीब 200 किलो गांजा (लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य का) बरामद किया था। आरोपी इंद्रजीत राय उर्फ अनुरजीत राय को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उसके साथी फरार हो गए। कोर्ट में जब सबूत पेश करने का समय आया, तो पुलिस ने चौंकाने वाला दावा किया कि गांजा चूहों ने खा लिया है। मालखाने में रखे इस भारी मात्रा में नशीले पदार्थ का कोई भी सबूत नहीं बचा।

19 दिसंबर 2025 को रांची की NDPS कोर्ट ने इस रिपोर्ट और अन्य सबूतों की कमी को देखते हुए आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने माना कि पुलिस आरोप साबित करने में असमर्थ रही। इस फैसले ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और रिकॉर्डिंग प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धनबाद का शराब घोटालाः 802 बोतलें चूहों ने गटक लीं।

इसी साल जुलाई में धनबाद के बलियापुर और प्रधानखंता की शराब दुकानों में स्टॉक की जांच के दौरान 802 बोतलें शराब कम पाई गईं। कुछ बोतलें पूरी तरह खाली थीं, तो कुछ आधी। दुकान संचालकों का दावा था कि चूहों ने ढक्कन चबाकर शराब पी ली। उन्होंने विस्तार से बताया कि चूहे बोतलों के ढक्कन तोड़ते, पूंछ डालकर शराब पीते और चले जाते हैं।

हालांकि विभागीय जांच में इस दावे को खारिज कर दिया गया और दुकान मालिकों से नुकसान की भरपाई करने को कहा गया। जांच के दौरान पता चला कि इन घटनाओं के पीछे मानवीय लापरवाही और संभवतः घपले की बात हो सकती है। इससे पहले भी, 2024 में पुलिस ने कोर्ट को बताया था कि चूहों ने 9 किलो गांजा और 10 किलो भांग खा ली है।

शेष खबर पृष्ठ 12......

पीएम मोदी और योगी के राज में बेटियां असुरक्षित क्यों हैं?

» गाजीपुर की घटना को लेकर राहुल गांधी का बीजेपी से सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपराध के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक लड़की की कथित तौर पर हत्या किए जाने की घटना को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज्य में बेटियां इतनी असुरक्षित क्यों हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि जिस देश और प्रदेश में मां-बाप को अपनी बेटी की प्राथमिकी लिखवाने के लिए गुहार लगानी पड़े, वहां की सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। गाजीपुर के करंडा इलाके में गत 15 अप्रैल को एक लड़की की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी हरिओम पांडे को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद समाजवादी प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान ग्रामीणों और सपा कार्यकर्ताओं के बीच पथराव भी हुआ था।

गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, ''उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार और निर्मम हत्या - और फिर परिवार को प्राथमिकी दर्ज कराने से

रोकने के लिए धमकियाँ, हिंसा। हाथरस, कठुआ, उन्नाव और आज ग़ाज़ीपुर, यह एक 'पैटर्न' है। मणिपुर की बेटी ने न्याय की राह देखते-देखते दम तोड़ दिया।'' उन्होंने दावा किया, ''हर बार वही चेहरा, पीड़िता दलित, पिछड़ी, आदिवासी, ग़रीब। हर बार वही सच्चाई, अपराधी को संरक्षण, पीड़ित को प्रताड़ना। हर बार वही चुप्पी, सत्ता की, जिन्हें बोलना चाहिए था।''

गांधी ने कहा कि जिस देश और प्रदेश में माँ-बाप को अपनी बेटी की प्राथमिकी लिखवाने के लिए भीख माँगनी पड़े, उस देश की सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हो, परिवार को सुरक्षा मिले, उच्चस्तरीय जांच हो और तुरंत न्याय मिले। मोदी जी, मुख्यमंत्री जी जवाब दीजिए, आपके राज में बेटियां इतनी असुरक्षित क्यों हैं?''गांधी ने कहा, ''ऐसे हालात में न्याय मांगा नहीं, छीना जाता है और हम छीनकर लाएंगे।'' इस मामले को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर कहा, ''गाजीपुर में एक लड़की की हत्या के मामले में पहले मामला दर्ज होने में आनाकानी, फिर पीड़ित परिवार को धमकियां मिलना और दबंगों द्वारा अराजकता फैलाना यह दिखाता कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चरम पर है। बीजेपी राज में अब यही अघोषित कानून बन गया है कि जब भी किसी महिला पर अत्याचार होता है तो पीड़ित को ही और प्रताड़ित किया जाता है।''उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी-बड़ी बातें सिर्फ दिखावा हैं।

प्रियंका ने कहा, ''उन्नाव हो, हाथरस हो, प्रयागराज हो या गाजीपुर, जहां भी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ, बीजेपी अपनी पूरी सत्ता के साथ पीड़िता के खिलाफ, अत्याचारी के साथ खड़ी हो गई। देश भर की महिलाएं ये अंधेरगर्दी देख रही हैं।'

संक्षिप्त ख़बरें

तेज आंधी में गिरी दीवार, महिला की मौत, पति गंभीर

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चुरावनी में तेज आंधी के दौरान एक मकान की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। दीवार के नीचे दबकर पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल पति को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जानकारी अनुसार ग्राम चुरावनी निवासी मेधराज 55 पुत्र आशाराम अपनी पत्नी अहिल्या 45 वर्ष के साथ दोपहर में अपने कमरे में आराम कर रहे थे इस दौरान तेज आंधी और बारिश के बीच कमरे की एक तरफ की दीवार आराम कर रहे पति-पत्नी के ऊपर गिर गई। हादसे में पत्नी अहिल्या की मौके पर ही मौत हो गई वहीं पति को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे झांसी रेफर कर दिया घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

हाईवे पर हादसाः कुत्ते से टकराई बाइक, मासूम की मौत, दंपति गंभीर

होमगार्ड की परीक्षा देकर लौट रहे थे दंपत्ति

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर पवा साइनबोर्ड के पास रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। होमगार्ड भर्ती परीक्षा देकर लौट रहे एक परिवार की बाइक अचानक सड़क पर आए कुत्ते से टकरा गई, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर पड़ी। हादसे में तीन वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, आरती (33) पत्नी महावीर राठौर एवं उनका बेटा शिवांग (3 वर्ष) निवासी ग्राम जाजेपुरा, जिला जालौन, अपने परिवार के साथ परीक्षा देकर लौट रहे थे। इसी दौरान पवा साइनबोर्ड के पास उनकी बाइक सामने आए कुत्ते से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल तीनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मासूम शिवांग को मृत घोषित कर दिया। वहीं आरती और उनके पति महावीर राठौर की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया है।

Loco Pilot को पाइल्स सर्जरी के घाव दिखाने को मजबूर करने वाले रेलवे अधिकारी का तबादला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अवकाश बढ़ाने के लिए पाइल्स की सर्जरी के घाव दिखाते हुए जिस लोको पायलट का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था, उस मामले के आरोपी चीफ क्रू कंट्रोलर का स्थानांतरण हो गया है। हालांकि रेलवे ने इसे एक सामान्य स्थानांतरण बताया है। वहीं, ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने लोको पायलट के साथ हुई घटना से जोड़कर देश भर में इसका संदेश जारी किया है। हालांकि रेलवे की जांच कमेटी ने लोको पायलट को सेवा नियमावली का उल्लंघन करने का दोषी माना था। तीन मार्च को एक वीडियो देश भर में तेजी से प्रसारित हो गया। इसमें उत्तर रेलवे लखनऊ की लाबी में तैनात लोको पायलट राजेश मीणा को अपने चीफ क्रू कंट्रोलर रतन कुमार के सामने पाइल्स की सर्जरी के घाव दिखाने के लिए अंतःवस्त्र उतारते हुए देखा गया था।

लोको पायलट ने आरोप लगाया था कि उसे पाइल्स की बीमारी है और वह लंबे समय से चारबाग स्थित मंडलीय रेल अस्पताल में उपचार करा रहा था। इस उपचार से उसे कोई राहत नहीं मिल रही थी। इस पर उसने 22 से 28 फरवरी तक अवकाश लेकर निजी अस्पताल में पाइल्स का उपचार कराया था।

सर्जरी के एक सप्ताह बाद तक राजेश मीणा का घाव ठीक नहीं हुआ था। इस कारण रेलवे के नियम के तहत लोको पायलट छुट्टी बढ़ाने के लिए रेलवे हेल्थ यूनिट पहुंचे थे। यूनिट के डॉक्टर ने जांच के बाद सीनियर्स से सिक मेमो लाने को कहा था। वह एक सप्ताह के लिए सिक लीव लेने चीफ क्रू कंट्रोलर के पास दो मार्च को पहुंचे थे। यहां उनको अपने सीनियर के सामने मेडिकल छुट्टी के लिए पैंट उतारना पड़ा था। रेलवे ने कंट्रोल रूम के माध्यम से संदेश भेजकर राजेश मीणा को बुक ऑफ (डयूटी से हटाना) कर निलंबित कर दिया था।

मामला सामने आने पर रेलवे ने राजेश मीणा को बहाल कर एक सप्ताह का अवकाश बढ़ा दिया था। इसके बाद एक जांच कमेटी गठित की थी, जिसमें राजेश मीणा को सेवा नियमावली का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि इस मामले में राजेश मीणा पर रेलवे ने कोई कार्रवाई नहीं की। वहीं, चीफ क्रू कंट्रोलर रतन कुमार को हटाकर उनके मुख्य दायित्व मुख्य लोको निरीक्षक के पद पर भेज दिया है। उन्होंने मीणा को आराम के लिए छुट्टी देने से इनकार कर दिया। मीणा ने अपने समुदाय के एक यूनियन लीडर के माध्यम से डिवीजन के सीनियर अधिकारियों से बात की, जिसके बाद उसे आराम के लिए छुट्टी दे दी गई। साथियों द्वारा रिकॉर्ड की गई इस घटना का एक वीडियो मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रसारित किया जा रहा है।

सीतापुर में सड़क हादसाः मां-बेटे समेत तीन की मौत, ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर

सीतापुर। गोला मार्ग पर शनिवार की देर रात मार्ग दुर्घटना में मां - बेटे सहित तीन की मौत हो गई। रामकोट के अरथाना निवासी हिमांशु पांडेय अपनी मां रेखा व गांव की सुनीता वाजपेयी के साथ बाइक पर सवार होकर लखीमपुर के कलिया गांव में रिश्तेदारी में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से देर रात सभी वापस आ रहे थे।

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर

गोला मार्ग पर अंगरासी के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल लाया गया जहां मृत घोषित कर दिया गया। कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि ट्रक छोड़कर चालक भाग गया है, तलाश की जा रही है।

लखनऊ में हल्दी मेहंदी रस्म के दौरान दुल्हन के घर के बाहर हवाई फायरिंग, अपहरण की धमकी देकर भागे बदमाश

» हल्दी मेहंदी रस्म में दुल्हन के घर के सामने फायरिंग।
» कार सवारों ने गाली-गलौज कर अपहरण की धमकी दी।
» पुलिस ने तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। बीकेटी क्षेत्र के एक गांव में हल्दी मेहंदी रस्म के दौरान दुल्हन के घर के सामने पहुंचे कार सवारों ने गाली-गलौज करते हुए हवाई फायरिंग कर दी। ग्रामीण जुटे तो आरोपित कार छोड़कर मौके से फरार हो गए। दुल्हन के पिता ने बीकेटी थाने में तीन लोगों के खिलाफ शिकायत की है। पीड़ित ने बताया कि उनकी बेटी की शादी तय है। शुक्रवार को घर में हल्दी मेहंदी का कार्यक्रम था। मेहमान और पड़ोसी भी घर पर थे। इसी बीच स्विफ्ट कार सवार तीन युवक घर के बाहर पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। यह देख लोग सहम गए। पड़ोसियों ने विरोध जताया तो नशे में धुत आरोपित गाली-गलौज देते हुए धमकाने लगे। यह देख बड़ी संख्या में आसपास के लोग जुट गए। आरोपितों ने खुद को घिरते देखा तो कार छोड़कर मौके से भाग गए। पीड़ितों ने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की है। पुलिस को एक खोखा मिला है। दुल्हन के पिता ने गांव के सुखदेव, अंकित और अनुज पर फायरिंग और बेटी के अपहरण की धमकी देने का आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है। गाड़ी कब्जे में ली गई है। विवाह के दिन एहतियात के तौर पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

सीतापुर में बिजली उपभोक्ता से मांगी घूस, मंत्री की नाराजगी पर हटाए गए एसडीओ हरगांव

» मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक के निर्देश पर मुख्य अभियंता ने किया स्थानांतरण
» राज्यमंत्री बिजली विभाग के अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए धरना-प्रदर्शन भी कर चुके

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। बिजली उपभोक्ता से किसी काम के लिए घूस मांगना बिजली विभाग के एसडीओ को काफी महंगा पड़ गया। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही की नाराजगी पर हरगांव के उपखंड अधिकारी (एसडीओ) अब्दुल अजीज को घूस मांगने के प्रकरण में हटा दिया गया है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक (एमडी) रिया केजरीवाल के निर्देश पर मुख्य अभियंता आरके सिंह ने हरगांव के उपखंड अधिकारी स्थानांतरण कर दिया है। लहरपुर के एसडीओ अचल मिश्र को उनका प्रभार दिया गया है।

कारागार मंत्री ने एसडीओ हरगांव पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए एमडी को

पत्र लिखा था। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले भी राज्यमंत्री बिजली विभाग के अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं।

बिसवां वितरण खंड के रन्नूपुर निवासी भोगलाल ने कारागार मंत्री से एसडीओ हरगांव की शिकायत की थी। उपभोक्ता का आरोप था कि एसडीओ रात के समय उनकी गुड़बेल पर जांच करने जाते हैं। इसके बाद डरा धमकाकर 11,000 रुपये नकद वसूलने के साथ चार लाख रुपये की मांग की थी। उपभोक्ता की शिकायत पर राज्यमंत्री ने एमडी को पत्र लिखने के साथ कार्रवाई के लिए कहा था। एमडी के निर्देश पर मुख्य अभियंता ने हरगांव के एसडीओ का स्थानांतरण किया है।

दिल्ली के नरेला में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की 12 गाड़ियां

नरेला औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगी।
आग बुझाने में दमकल कर्मियों को हुई परेशानी।
घटनास्थल पर दमकल की 12 गाड़ियां मौजूद हैं।

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह प्लास्टिक आइटम बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग टॉप फ्लोर में लगी थी और सीढ़ियों के रास्ते में सामान रखने की वजह से आग बुझाने में दमकल कर्मियों को दिक्कत आई। आई-ब्लाक स्थित फैक्ट्री में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। 12 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बुलंदशहरः चेहरे पर केक लगाना बन गया घातक, खुर्जा में ताबड़तोड़ चलीं गोलियां, तीन दोस्तों की मौत

» उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा में जिम में मनाई जाने वाली एक जन्मदिन पार्टी खुशियों से मातम में बदल गई. बर्थडे पार्टी में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई और तीन युवकों के सिर में गोली लगने से उनकी मौत हो गई. पुलिस मौके पर सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है. मौके से कुछ सबूत जुटाए गए हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा में बर्थडे पार्टी में केक लगाने को लेकर झगड़ा हो गया. ये झगड़ा इतना बढ़ गया कि मौके पर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई.घटना में तीन लोगों की सिर में गोली लगने से हुई मौके पर मौत हो गई. ये बर्थडे पार्टी जिम में सेलीब्रेट की जा रही थी. मेरठ रेंज के DIG कलानिधि नैथानी ने बताया कि लोगों की शिकायतों और उनके द्वारा बताई गई घटनाओं के आधार पर, कुछ युवकों के बीच जिम में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था. बताया जा रहा है कि आरोपियों में से एक अपना जन्मदिन मना रहा था।

उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस आस-पास के इलाके में भी जांच-पड़ताल कर रही है. उन्होंने बताया कि आरोपियों की

गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं. CCTV फुटेज की निगरानी के लिए भी टीमें बनाई गई हैं.फील्ड यूनिट मौके पर मौजूद है. उन्होंने कुछ सबूत जुटाए हैं, जिनका अलग से विश्लेषण किया जाएगा. फिलहाल, यह जानकारी मिली है कि उनके बीच किसी बात को लेकर असहमति थी, जिसके चलते यह झगड़ा हुआ. खुर्जा में जन्मदिन की पार्टी में हुई हत्या को लेकर एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने कहा कि केक लगाने को लेकर दोस्तों के बीच विवाद हुआ और अचानक बढ़ गया. विवाद के बाद फायरिंग, तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई. घटना से इलाके में मचा हड़कंप, मौके पर आला अफसरों समेत भारी पुलिस फोर्स तैनात हैं।

'आपस में हुई बहस'

मृतकों में से एक, संजय सैनी के भाई ने बताया कि सुभाष हलवाई के बेटे जीतू सैनी का जन्मदिन था. उसने लोगों को यहां बुलाया था. इन लोगों की आपस में बहस हो गई और वे हमारे अमरदीप को वहीं छोड़कर चले गए. मुझे एक फ़ोन आया जिसमें बताया गया, 'तुम्हारा भाई गाली-गलौज कर रहा है'. मैंने उनसे कहा कि मैं सुबह उनसे बात करूंगा, क्योंकि मुझे एक शादी में जाना है. उनके पास सात या आठ लाइसेंसी हथियार थे, जिन्हें उन्होंने तुरंत उठाया और घटनास्थल पर पहुंच गए. उन्होंने बताया इसी बीच, उन्होंने मेरे भाई और भतीजे, मनीष सैनी और आकाश सैनी को भी घटनास्थल पर बुला लिया. वहां पहुंचते ही इन लोगों ने तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी और किसी को कोई मौका नहीं दिया. तीन लोगों की मौत हो गई. अमरदीप सैनी, मनीष सैनी और आकाश सैनी की जान चली गई।

श्री लक्ष्मणपुरी (लखनऊ) में बड़ा मंगल

लखनऊ में ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले मंगलवार का दिन प्राणी मात्र के मंगल से जुड़ा हुआ दिन होता है। अपने मंगल के साथ- साथ सृष्टि के जड़, चेतन, स्त्री - पुरुष, पशु- पक्षी, कीट- पतंग एवं सम्पूर्ण जगत के मंगल की कामना की जाती है यही हिन्दुत्व की विशेषता है। यही हमारी भारतीय संस्कृति है जो सबके साथ समान व्यवहार की बात करती है। इन मंगलवार के दिनों में यहां संपूर्ण नगर के कोने -कोने में आम जनमानस द्वारा भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों की परम्परा लखनऊ में लगभग 400 वर्ष पुरानी है। यहां मंगल, जिसे बड़ा मंगल भी कहा जाता है, भगवान हनुमान को समर्पित एक हिंदू त्योहार है, जिसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार लखनऊ की एक अनूठी परंपरा है और नगर की सामाजिक , सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जो हिंदू धर्म के सभी मत - जैन, बौद्ध, सिक्ख और मुस्लिम संस्कृतियों के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण को दर्शाता है। लखनऊ अलीगंज में स्थित श्री हनुमान मंदिर से यह परंपरा प्रारम्भ हुई मानी जाती है। हिंदू माह ज्येष्ठ के प्रत्येक मंगलवार (आमतौर पर मई या जून में) को मनाया जाने वाला बड़ा मंगल, भगवान राम और हनुमान जी के मिलन की याद में मनाया जाता है। बड़ा मंगल मनाने की परंपरा अवध के नवाब सआदत अली खान (1798-1814) के शासनकाल से चली आ रही है। जनश्रुति कथाओं के अनुसार, नवाब के पुत्र मोहम्मद अली शाह गंभीर रूप से बीमार पड़ गए और तमाम प्रयत्नों के बाद भी उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। किसी ने उन्हें लखनऊ के अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जी से आशीर्वाद लेने का सुझाव दिया । आशीर्वाद लेने के बाद पुत्र चमत्कारिक रूप से ठीक हो गए। कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, नवाब की पत्नी बेगम आलिया ने मंदिर का जीर्णोद्धार (पुनर्निर्माण) कराने का वादा किया। ज्येष्ठ माह में मंदिर का निर्माण पूरा हुआ और तब से बड़ा मंगल मनाया जाता है। लखनऊ से प्रारम्भ हुई इस बड़े मंगल की परम्परा आज वैश्विक पहचान को स्थापित कर रही है। बड़े मंगल के भंडारे अब उत्तर भारत के लगभग प्रत्येक जनपदों में लगाए जाते हैं। यह भंडारे आध्यात्मिक, धार्मिक भावना के साथ - साथ सांझी विरासत को भी अपनाए हुए हैं। लखनऊ के मोहल्लों में आयोजित होने वाले यह सभी भंडारे सभी भेदों से दूर बंधुत्व भाव, सामाजिक, सांस्कृतिक सौहार्द के पर्याय हैं। यहां कोई भी जाति, पंथ, संप्रदाय, मजहब का भेद नहीं है। सभी साथ मिलकर भंडारों का आयोजन करते हैं। यहां पर प्रसाद पाने वाले अमीर से लेकर गरीब तक, बड़ी- बड़ी कार मालिक से लेकर पैदल तक, बाल, युवा, प्रौढ़, वृद्ध से लेकर पशु - पक्षियों तक, मजदूर से लेकर प्रतिष्ठित उद्योगी तक, आश्रयहीन से लेकर बहुखंडी इमारतों तक और इस चेतन जगत में सभी को समान रूप से

भंडारों में प्रसाद ग्रहण करने की स्वतंत्रता हैं। सभी के लिए यहां के भक्त श्री हनुमानजी की प्रेरणा से सुचारू रूप से व्यवस्था संपादित करते हैं। इन भंडारों को आयोजित करने वालों से लेकर पंक्ति की कतार में खड़े प्रसाद लेने वाले भक्तों में कभी किसी के प्रति कोई भेद नहीं दिखता, कोई किसी की जाति नहीं पूछता सभी प्रेम से भक्ति से आनंद के साथ प्रसाद ग्रहण करते हैं। लखनऊ में सामाजिक समरसता की यह बड़े मंगल का अनूठा उदाहरण बनकर देश को समरसता का संदेश दे रहा है।

इन भंडारों में पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा जाता है।

ज्येष्ठ माह के इन मंगलवारों में लगने वाले भंडारे केवल लोगों की भूख ही शांत नहीं करते बल्कि बदलते जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां अनेकों स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के भी उपक्रम चलाए जाते हैं। पूरे नगर में एक दिन में हज़ारों की संख्या में भंडारे संचालित होते हैं जिनकी पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को ध्यान में रखकर व्यवस्था करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाएं प्लास्टिक मुक्त भंडारा, हरित भंडारा, जैसे विभिन्न प्रकार के अभियान चलाकर लकड़ी के चम्मच का प्रयोग, पारम्परिक पत्तल और कटोरियों का प्रयोग, जल के लिए मिट्टी के कुल्हड़ का प्रयोग किए जाने का जगह -जगह पर उपक्रम होते हैं। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस भी सामान्यतः ज्येष्ठ माह में ही आता है उस दिनांक को हरित भंडारा के स्लोगन के साथ , भारी संख्या में लोगों से वृक्षारोपण का निवेदन किया जाता है तथा कई स्थानों पर पौधों का निःशुल्क वितरण भी होता है। इन भंडारों में भक्तों, आयोजकों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा आस पास का वातारण, कार्यक्रम स्थल स्वच्छ एवं भक्तिमय रहे इस लिए कई प्रकार के अन्य स्वच्छता के उपक्रम किए जाते हैं, जहां प्लास्टिक मुक्त परिसर, जल का अपव्यय रोकना, गीला और सूखा कचरा रखने के लिए अलग- अलग कूड़ेदान का प्रयोग एवं आए श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने के लिए विनम्र निवेदन किया जाता है। इस प्रकार यह ज्येष्ठ माह के सभी मंगल ही नहीं बल्कि पूरा ज्येष्ठ माह ही श्री हनुमानजी की भक्ति में डूबा रहता है। कहते हैं कि यह आयोजन इतने बड़े स्तर पर होता है कि पूरे नगर में कोई भूखा न रहे यही सबका पुण्य होता है।

बाल भास्कर मिश्र

संपादकीय

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया खेला

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चड़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुई, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। 'पार्टी सोसाइटी' जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया। 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है।

हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है। एक पक्ष का मानना है कि उच्य मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पकड़ को देखते हुए यह तर्क भी कमजोर नहीं है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में अधिक मतदान देखा जा सकता है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य के लोगों ने एसआईआर के विरोध में वोटिंग किया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है।

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

मनोज कुमार अग्रवाल

मासूमियत पर हमला: सूरत की घटना ने झकझोरा समाज तीन साल की बच्ची के साथ दरिंदगी ने उठाए सुरक्षा, संस्कार और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल

सूरत जैसे विकसित और व्यस्त शहर में घटी एक दर्दनाक घटना ने पूरे समाज को भीतर तक हिला दिया है। एक तीन साल की मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि हमारे सामाजिक ढांचे, पारिवारिक सतर्कता और नैतिक मूल्यों पर भी गहरी चोट पहुंचाती है। यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं है, बल्कि यह उस सोच का प्रतिबिंब है जिसमें इंसान अपनी इंसानियत खोकर दरिंदगी की हद तक गिर जाता है। जिस उम्र में एक बच्ची ठीक से बोलना भी नहीं सीख पाती, उस उम्र में उसके साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार समाज के लिए शर्मनाक और चिंताजनक है। घटना का विवरण जितना दुखद है, उतना ही भयावह भी है। बच्ची अपने ही घर में सुरक्षित समझी जाने वाली जगह पर थी, लेकिन एक दरिंदे ने मौके का फायदा उठाकर उसकी मासूमियत को रौंदने की कोशिश की। यह सवाल उठता है कि आखिर एक व्यक्ति किस हद तक संवेदनहीन हो सकता है कि उसे एक छोटी बच्ची पर भी दया नहीं आती। यह केवल एक व्यक्ति की विकृत मानसिकता का मामला नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक गिरावट का संकेत भी है जहां इंसान अपने नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। इस घटना ने माता-पिता की जिम्मेदारी पर भी चर्चा को जन्म दिया है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर ऐसा होता है कि छोटे बच्चों को कुछ समय के लिए अकेला छोड़ दिया जाता है, यह सोचकर कि वे घर के अंदर सुरक्षित हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि खतरा केवल बाहर नहीं, बल्कि आसपास भी हो सकता है। बच्चों की सुरक्षा केवल दरवाजे बंद करने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इसके लिए निरंतर निगरानी और सतर्कता आवश्यक है। अभिभावकों को यह समझना होगा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। हालांकि, इस मामले में बच्ची की मां की सतर्कता ने एक बड़ी अनहोनी को रोका। समय पर पहुंचकर उन्होंने आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया, जिससे यह साबित होता है कि जागरूकता और त्वरित प्रतिक्रिया कितनी महत्वपूर्ण होती है। लेकिन हर मामले में ऐसा संभव नहीं होता, इसलिए समाज को मिलकर ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। इस घटना ने पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। जिस क्षेत्र में आरोपी बिना किसी किरायानामा के रह रहा था, वहां की निगरानी व्यवस्था कितनी कमजोर थी, यह स्पष्ट होता है। यदि किरायेदारों का सही रिकॉर्ड रखा जाता और नियमित जांच होती, तो शायद ऐसे अपराधियों पर पहले ही नजर रखी जा सकती थी। पुलिस को केवल घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें पहले से ही ऐसे संभावित खतरों को पहचानने और रोकने की दिशा में काम करना चाहिए। समाज में बढ़ते अपराधों के पीछे एक बड़ा कारण बदलती जीवनशैली और तकनीक का गलत उपयोग भी है। मोबाइल और इंटरनेट ने जहां दुनिया को जोड़ा है, वहीं यह कई बार गलत दिशा में भी ले जा रहा है। अश्लील सामग्री की आसान उपलब्धता और उस पर नियंत्रण की कमी ने कुछ लोगों की सोच को विकृत कर दिया है। हालांकि हर व्यक्ति पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन जिनकी मानसिकता पहले से कमजोर होती है, वे इससे प्रभावित होकर गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं। यह भी जरूरी है कि हम बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार सुरक्षा और जागरूकता के बारे में सिखाएं। भले ही तीन साल की बच्ची इतनी समझदार नहीं होती कि वह खुद को बचा सके, लेकिन बड़े होते बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में जानकारी देना बेहद जरूरी है। इससे वे किसी भी असामान्य स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपने माता-पिता को बता सकते हैं। इस घटना के बाद समाज में गुस्सा और आक्रोश स्वाभाविक है। लोगों द्वारा आरोपी की पिटाई करना उनके भीतर के आक्रोश को दर्शाता है, लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि कानून अपने तरीके से काम करता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे अपराधियों को सख्त से सख्त सजा मिले ताकि यह दूसरों के लिए एक उदाहरण बन सके। पॉक्सो एक्ट जैसे कानून इसी उद्देश्य से बनाए गए हैं, लेकिन इनका प्रभाव तभी दिखेगा जब उनका सख्ती से पालन किया जाए। इस घटना ने यह भी दिखाया है कि समाज में सामूहिक जिम्मेदारी की कितनी आवश्यकता है। केवल पुलिस या सरकार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हर व्यक्ति को अपने आसपास के माहौल पर नजर रखनी होगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देनी होगी। पड़ोसियों के बीच आपसी संवाद और सतर्कता भी ऐसे मामलों को रोकने में मदद कर सकती है। अंततः यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां बच्चे सुरक्षित नहीं हैं? क्या हमारी प्रगति केवल आर्थिक और तकनीकी तक सीमित रह गई है, जबकि नैतिक और सामाजिक मूल्य पीछे छूटते जा रहे हैं? इन सवालों के जवाब हमें खुद तलाशने होंगे। जरूरत इस बात की है कि हम इस घटना को केवल एक खबर की तरह न देखें, बल्कि इससे सीख लें और अपने व्यवहार में बदलाव लाएं। अभिभावक अधिक सतर्क रहें, समाज अधिक जागरूक बने और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाए। तभी हम एक ऐसा वातावरण बना पाएंगे जहां हर बच्चा सुरक्षित और निश्चिंत होकर अपना बचपन जी सके। इस तरह की घटनाएं केवल पीड़ित परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को घायल करती हैं। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम मिलकर ऐसे अपराधों के खिलाफ आवाज उठाएं और एक सुरक्षित समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। तभी हम सच्चे अर्थों में मानवता को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य दे सकेंगे।

कांतिलाल मांडोत

शिक्षा की गुणवत्ता और बढ़ता शैक्षिक उद्योग

केंद्र और राज्यों के दसवी बारहवी के जो बोर्ड परिणाम अब तक घोषित हुए हैं, उनमें बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। निस्संदेह, बोर्ड परीक्षाओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का उत्तीर्ण होना प्रेरणादायक माना जाता है। प्रतिवर्ष केंद्र और राज्य शिक्षा बोर्ड बेहतर परिणाम प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है जब उच्च माध्यमिक स्तर तक इतने उत्कृष्ट परिणाम सामने आते हैं, तो फिर भारतीय विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए पश्चिमी और एशियाई देशों की ओर क्यों रुख करते हैं ? क्या उन देशों की शिक्षा व्यवस्था भारत से बेहतर है, या वहाँ शिक्षा अधिक सुलभ और किफायती है? इन प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

यदि वास्तव में पश्चिमी और एशियाई देशों की उच्च शिक्षा हमसे बेहतर या सस्ती है, तो केंद्र और राज्य सरकारों को इस पर आत्ममंथन करना होगा। शिक्षा पर अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद यदि भारत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छोटे-छोटे देशों से पीछे है, तो यह सोचने का विषय है कि प्रयासों में कमी किस स्तर पर रह गई है। आज भारत में निजी क्षेत्र शिक्षा का एक बड़ा बाज़ार बन चुका है। निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहली कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक फीस, पुस्तकें और ड्रेस को लेकर मनमानी देखने को मिलती है। इससे आम, मध्यम और गरीब वर्ग के लिए बच्चों को शिक्षित करना कठिन और कभी-कभी असंभव हो जाता है।

देश के महानगरों से लेकर कस्बों और गाँवों तक बड़ी-बड़ी कोचिंग संस्थाओं का विस्तार इस बात का संकेत है कि शिक्षा के बाज़ार में वर्चस्व स्थापित करने की होड़ बढ़ती जा रही है। जब देश में 'एक राष्ट्र, एक विधान' की भावना लागू है, तो फिर 'एक समान शिक्षा पद्धति' क्यों नहीं हो सकती? केंद्र सरकार को चाहिए कि पूरे देश में एक समान शिक्षा प्रणाली लागू की जाए। पहली से बारहवीं तक और उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में समानता हो, भले ही अध्ययन-अध्यापन की भाषा अलग-अलग हो सकती है। साथ ही, निजी स्कूलों और कॉलेजों की फीस निर्धारण के लिए एक निश्चित सीमा तय की जानी चाहिए, ताकि आम नागरिक पर आर्थिक बोझ न पड़े।

यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा की गुणवत्ता ऊँची इमारतों या अधिक फीस से नहीं आती। वास्तविक गुणवत्ता एक आदर्श, मूल्य-आधारित और संस्कारित शिक्षा पद्धति से उत्पन्न होती है। अतः चाहे सरकारी संस्थान हों या निजी, उन्हें स्वार्थ से ऊपर उठकर शिक्षा के मंदिर के रूप में कार्य करना चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो देश की नई पीढ़ी में शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता स्वतः ही परिलक्षित होगी।

अरविंद रावल

भारतीय गणितीय मेधा का संघर्ष और उनका विश्वव्यापी प्रभाव

भारत की पावन धरा अनादि काल से ही ज्ञान और विज्ञान की जननी रही है। इस भूमि ने समय समय पर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है जिन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा से न केवल राष्ट्र को गौरवान्वित किया बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। इन्हीं दैदीप्यमान नक्षत्रों में से एक नाम है श्रीनिवास रामानुजन का। वे एक ऐसे गणितज्ञ थे जिनकी मेधा ने आधुनिक काल में पूरे विश्व को विस्मय में डाल दिया। उनका जीवन इस शाश्वत सत्य का जीवंत उदाहरण है कि यदि मनुष्य के भीतर अटूट लगन, अदम्य साहस और तीव्र जिज्ञासा हो तो वह अभावों के अंधकार को चीरकर सफलता के सूर्य तक पहुँच सकता है। रामानुजन ने अपनी अल्पायु में ही गणित के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किए वे आज भी शोधार्थियों के लिए पहेली और प्रेरणा बने हुए हैं। उनका जन्म 22 दिसंबर 1887 को तमिलनाडु के इरोड नामक एक छोटे से स्थान पर हुआ था। उनके पिता का नाम के. श्रीनिवास अयंगार था जो एक साधारण मुनीम के रूप में कार्य करते थे और माता का नाम कोमलतम्मल था। उनका परिवार अत्यंत सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंध रखता था जिसके कारण बचपन से ही उन्हें भौतिक सुख सुविधाओं की कमी खलती रही पर उनकी मानसिक संपदा इतनी धनी थी कि बाहरी बाधाएँ उन्हें अधिक समय तक रोक न सकीं।

रामानुजन का प्रारंभिक जीवन कुंभकोणम की गलियों में बीता जहाँ उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की। बचपन से ही उनके व्यवहार में एक विशेष प्रकार की गंभीरता और एकाग्रता देखी जा सकती थी। जब उनके आयु के अन्य बालक खेलकूद में व्यस्त रहते थे तब रामानुजन संख्याओं के रहस्यों को सुलझाने में लीन रहते थे। उनका मन विद्यालयी पाठ्यक्रम की सीमाओं को लांघकर गणित की उस अनंत गहराइयों में उतरने के लिए व्याकुल रहता था जहाँ केवल शुद्ध तर्क और सूत्र विद्यमान थे। कहा जाता है कि मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने उच्च गणित के उन सिद्धांतों को समझ लिया था जिन्हें सामान्यतः स्नातक स्तर के विद्यार्थी भी कठिन मानते हैं। उनकी रुचि इतनी गहरी और एकाग्र थी कि वे अन्य विषयों की ओर ध्यान ही नहीं दे पाते थे। यही कारण था कि उनकी औपचारिक शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न हुआ। वे गणित की परीक्षा में तो शत प्रतिशत अंक प्राप्त करते थे परंतु इतिहास, भूगोल और अंग्रेजी जैसे विषयों में उनकी रुचि न होने के कारण वे असफल हो जाते थे। इस कारण उनकी छात्रवृत्ति भी रुक गई और उन्हें कई बार महाविद्यालय छोड़ना पड़ा। यह उनके जीवन का एक कठिन दौर था जहाँ समाज उन्हें एक असफल विद्यार्थी के रूप में देख रहा था परंतु उनके भीतर के गणितज्ञ को स्वयं पर पूर्ण विश्वास था।

शिक्षा अधूरी रहने के बाद भी रामानुजन ने अपने शोध कार्य को कभी थमने नहीं दिया। वे निरंतर अपनी पुस्तिकाओं में नए नए सूत्रों को अंकित करते रहते थे। उनके पास अध्ययन के लिए न तो कोई श्रेष्ठ पुस्तकालय था और न ही कोई अनुभवी मार्गदर्शक। वे स्वयं ही अपने शिक्षक थे और स्वयं ही शिष्य। उनके पास लिखने के लिए कागज की भी कमी रहती थी इसलिए वे एक स्लेट पर अपनी गणनाएं करते और अंतिम परिणाम को अपनी पुस्तिका में लिख लेते थे। यही वे पुस्तिकाएं थीं जो बाद में चलकर गणितीय जगत की सबसे बड़ी निधि बनीं। आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में एक साधारण लिपिक की नौकरी कर ली ताकि परिवार का भरण पोषण हो सके। इसी दौरान उनके अधिकारियों ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें प्रोत्साहित किया। रामानुजन के जीवन में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब उन्होंने इंग्लैंड के विख्यात गणितज्ञ जी. एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में उन्होंने अपने द्वारा खोजे गए लगभग 120 जटिल सूत्र और प्रमेय संकलित किए थे। हार्डी उन सूत्रों को देखकर स्तब्ध रह गए क्योंकि उनमें से कई सूत्र ऐसे थे जिनकी कल्पना भी उस समय के श्रेष्ठ यूरोपीय गणितज्ञों ने नहीं की थी। हार्डी ने तुरंत पहचान

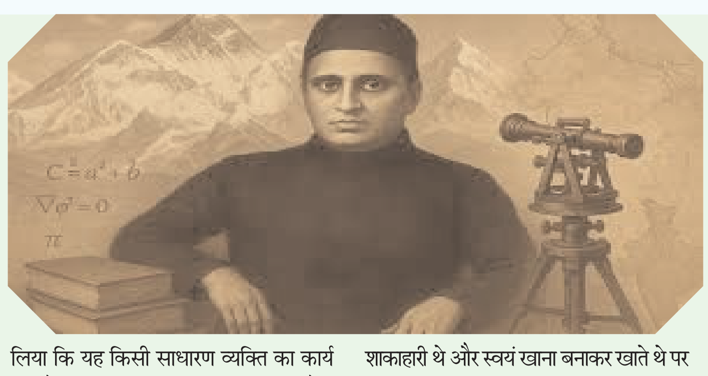

लिया कि यह किसी साधारण व्यक्ति का कार्य नहीं है बल्कि एक दुर्लभ प्रतिभा का प्रमाण है।

हार्डी के निमंत्रण पर 1914 में रामानुजन इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय पहुँचे। वहां का वातावरण, संस्कृति और खानपान उनके लिए पूर्णतः भिन्न था। एक शाकाहारी और धार्मिक व्यक्ति होने के नाते उन्हें वहां कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा परंतु उनका लक्ष्य अटल था। उन्होंने हार्डी के साथ मिलकर शोध कार्य प्रारंभ किया। वहां उनकी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह पहचान मिली जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने संख्या सिद्धांत, अनंत श्रेणियों, विभाजन सिद्धांत और निरंतर भिन्नों के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किए। उनकी कार्यशैली बहुत अद्भुत थी। वे अक्सर बिना किसी लंबी प्रक्रिया के सीधे परिणाम प्रस्तुत कर देते थे। जब उनसे पूछा जाता कि ये सूत्र उनके मन में कैसे आते हैं तो वे बड़ी विनम्रता से कहते थे कि उनकी कुलदेवी उन्हें स्वप्न में ये सूत्र प्रदान करती हैं। यह उनकी श्रद्धा और मानसिक एकाग्रता का चरमोत्कर्ष था। उनकी खोजें इतनी सूक्ष्म थीं कि उन्हें सिद्ध करने में अन्य विद्वानों को दशकों का समय लग गया। 1918 में उन्हें रॉयल सोसाइटी का सदस्य निर्वाचित किया गया जो उस समय किसी भी भारतीय के लिए अपूर्व सम्मान था। इसी वर्ष उन्हें ट्रिनिटी महाविद्यालय के अधिछात्र के रूप में भी चुना गया।

इंग्लैंड की विषम जलवायु और द्वितीय विश्व युद्ध के समय उपलब्ध भोजन की सीमाओं ने उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। वे शाकाहारी थे और स्वयं खाना बनाकर खाते थे पर कार्य की अधिकता के कारण वे स्वास्थ्य की उपेक्षा करते रहे। उन्हें तपेदिक जैसी गंभीर बीमारी ने घेर लिया। अस्वस्थता की स्थिति में भी उनका मस्तिष्क निरंतर संख्याओं के बीच विचरण करता रहता था। उनके जीवन की एक बहुत ही प्रसिद्ध घटना उनके और हार्डी के बीच की बातचीत है जिसे आज 1729 की संख्या के रूप में जाना जाता है। जब हार्डी उनसे मिलने चिकित्सालय पहुँचे तो उन्होंने उल्लेख किया कि जिस वाहन से वे आए उसका अंक 1729 था जो कि एक अत्यंत ही निरर्थक और साधारण सा अंक प्रतीत होता है। रामानुजन ने तुरंत उत्तर दिया कि यह संख्या साधारण नहीं है बल्कि बहुत ही विशेष है क्योंकि यह सबसे छोटी ऐसी संख्या है जिसे दो अलग अलग तरीकों से दो घनों के योग के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। उनके अनुसार 1729 को 1 के घन और 12 के घन के योग के रूप में भी देखा जा सकता है और 9 के घन तथा 10 के घन के योग के रूप में भी। इस घटना ने विश्व को बताया कि उनके लिए संख्याएं केवल प्रतीक नहीं थीं बल्कि वे उनके सजीव मित्रों के समान थीं।

स्वास्थ्य में सुधार न होने के कारण वे 1919 में भारत लौट आए। भारत आने पर उनका भव्य स्वागत हुआ परंतु उनकी शारीरिक स्थिति निरंतर बिगड़ती जा रही थी। वे अपने अंतिम समय तक भी बिस्तरे पर लेटे लेटे गणित के नए सूत्र लिखते रहे। अंततः 26 अप्रैल 1920 को मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में इस महान आत्मा ने पार्थिव शरीर त्याग दिया। रामानुजन का जीवन भले ही छोटा रहा हो लेकिन उनकी उपलब्धियां सदियों तक जीवित रहेंगी। उन्होंने आधुनिक गणित को जो दिशा दी उसका उपयोग आज कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी और यहाँ तक कि अंतरिक्ष विज्ञान में भी किया जा रहा है। उनके द्वारा छोड़ी गई अप्रकाशित पुस्तिकाओं पर आज भी विश्व भर के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शोध कार्य चल रहा है। भारत सरकार ने उनके अद्वितीय योगदान को सम्मान देते हुए उनके जन्मदिवस 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में घोषित किया है ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें।

रामानुजन की कहानी केवल गणित की सफलता की कहानी नहीं है बल्कि यह मनुष्य की जिजीविषा और तपस्या की गाथा है। उन्होंने सिद्ध किया कि ज्ञान की साधना के लिए सुख सुविधाओं का होना अनिवार्य नहीं है बल्कि आंतरिक प्रकाश ही सबसे बड़ा मार्गदर्शक होता है। उनके जीवन के संघर्ष यह संदेश देते हैं कि असफलताएं केवल एक विराम हैं अंत नहीं। यदि वे अपनी परीक्षा की विफलताओं से हार मान लेते तो आज विश्व उनके महान सिद्धांतों से वंचित रह जाता। उनकी विनम्रता, सरलता और अपनी संस्कृति के प्रति प्रेम उन्हें एक पूर्ण मानव बनाते हैं। आज जब हम आधुनिक युग की नई तकनीकी प्रगति को देखते हैं तो हमें उस महान गणितज्ञ का स्मरण अवश्य करना चाहिए जिसने अपनी कल्पना की शक्ति से शून्य से अनंत की यात्रा पूर्ण की। उनकी स्मृति हमारे हृदय में सदैव बनी रहेगी और उनकी प्रतिभा का आलोक पीढ़ियों को गणित की गूढ़ता को समझने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उनका जीवन सदैव यह सिखाता रहेगा कि सच्ची लगन से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। भारत की इस महान विभूति को शत शत नमन है जिनके कार्यों ने देश का मस्तक पूरे विश्व में गर्व से ऊंचा कर दिया।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत में तीन नामित सभासदों ने ली शपथ

लालगंज (रायबरेली)। नगर पंचायत कार्यालय परिसर में शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने शासन की ओर से नामित तीन सभासदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नामित सभासद राजेश कुमार निर्मल, गिरजा शंकर बाजपेई और दीपा सिंह ने शपथ ली। शपथ के बाद तीनों ने जनसेवा और विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नव नामित सभासदों को बधाई दी। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि तीनों सभासद अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि ये सभी नगर पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। अधिशासी अधिकारी राजभान शुक्ला भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर भाजपा नेता रविंद्र कुमार सिंह, डॉ. अविनाश सिंह, अखिलेश बाजपेई, शिवशंकर मिश्रा, मनोज दीक्षित, वीरेंद्र यादव, ऋतिक मिश्रा, सभासद राघवेंद्र सूर्यवंशी, अतुल शर्मा, बबलू तिवारी और राजेश कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

महमूदाबाद की अंशिका वर्मा ने रचा इतिहास, यूपी बोर्ड में कला वर्ग में किया टॉप

महमूदाबाद- सीतापुर यूपी बोर्ड परीक्षा में सीता इंटर कॉलेज की होनहार छात्रा अंशिका वर्मा ने 94.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कला वर्ग में प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अंशिका की इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। बाराबंकी जिले के ररिया हसनपुर गांव निवासी अंशिका वर्मा के पिता भोलानाथ वर्मा पेशे से शिक्षक हैं, जबकि माता संगीता वर्मा गृहणी हैं। अंशिका ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर संस्कृत में 97, हिंदी में 96, गृह विज्ञान में 96, भूगोल में 93 और शिक्षाशास्त्र में 90 अंक प्राप्त किए। अंशिका की इस सफलता पर एजुकेशन टेक कंपनी अरिविहान की ओर से उसे 51 हजार रुपये की नकद धनराशि और एक लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। छात्रा की इस उपलब्धि पर संस्था के चेयरमैन आर. के. वाजपेयी, डिप्टी डायरेक्टर आंजनेय आशीष और वागीश दिनकर सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीएलओ ड्यूटी में लगे शिक्षकों को जनगणना कार्य से मुक्त करने की मांग ,खंड शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र

महमूदाबाद-सीतापुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (इकाई महमूदाबाद) ने बीएलओ कार्य में लगे शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी से मुक्त करने की मांग को लेकर संघ के पदाधिकारियों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सीतापुर को संबोधित पत्र खंड शिक्षा अधिकारी महमूदाबाद को सौंप कर समस्या के समाधान की मांग की है। संघ के अध्यक्ष हंसराज वर्मा एवं मंत्री ज्ञानेश मिश्र द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है। कि विकास खंड के कई शिक्षक-शिक्षिकाएं पहले से ही बीएलओ के रूप में कार्यरत हैं और वर्तमान में मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य भी चल रहा है। ऐसे में उन्हीं शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी में भी लगा दिया गया है, जिससे एक साथ दो महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करना कठिन हो रहा है। पत्र में कहा गया है कि दोहरी ड्यूटी के कारण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता प्रभावित होने की आशंका है। संघ ने प्रशासन से मांग की है। कि बीएलओ कार्य में पहले से तैनात शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी से मुक्त किया जाए, ताकि दोनों कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सकें,संघ के पदाधिकारियों ने कहा है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो शिक्षक हित में आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा खेल उजागर, मरम्मत के नाम पर धन निकासी

● ग्रामीणों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद/ लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में इन दिनों भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर मिलीभगत कर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। सबसे बड़ा आरोप सरकारी हैंडपंपों और नलों की मरम्मत को लेकर लगाया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत में कई सरकारी नल और हैंडपंप वर्षों से खराब पड़े हुए हैं, जिससे लोगों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके, पंचायत के रिकॉर्ड में इनकी नियमित मरम्मत दर्शाकर लाखों रुपये का भुगतान निकाला जा रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि अगर वास्तव में मरम्मत कराई गई होती, तो आज उन्हें पानी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार उन्होंने इस समस्या को लेकर प्रधान और सचिव से शिकायत की, लेकिन हर बार उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया गया। इतना ही नहीं, कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब भी कोई व्यक्ति पंचायत में हो रहे कार्यों पर सवाल उठाता है या किसी विकास कार्य की मांग करता है, तो उसे धमकाया जाता है और चुप रहने के लिए दबाव बनाया जाता है। इस वजह से गांव में भय और असंतोष का माहौल बना हुआ है। गांव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि पंचायत में पारदर्शिता पूरी तरह से खत्म हो चुकी है और आम जनता की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है, जबकि कागजों में सब कुछ सही दिखाया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, गांव में खराब पड़े सभी सरकारी नलों और हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया और भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगी, तो वे जिला प्रशासन को शिकायत करने को मजबूर होंगे। फिलहाल इस मामले में संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करेगा।

मलिहाबादः पुरानी रंजिश में पल्सर सवार युवक ने किया जानलेवा हमले का प्रयास, पीड़ित परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

● .....रामपुर बस्ती में सनसनीः आरोपी ने बाइक से कुचलने की कोशिश की, पुलिस के पहुंचने से पहले हुआ फरार, दहशत में ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ (मलिहाबाद)। मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के रामपुर बस्ती गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की जान लेने की कोशिश का गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित आदित्य प्रताप सिंह जब अपने चचेरे भाई के घर के बाहर खड़े थे, तभी गांव के ही दबंग आरोपी प्रमोद कुमार ने अपनी तेज रफ्तार पल्सर बाइक (Px2 LJ 3581) से उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मारकर जान से मारने का प्रयास किया। गनीमत रही कि आदित्य ने किसी तरह अपनी जान बचाई। पीड़ित की पत्नी का आरोप है कि आरोपी पहले भी उनके परिवार को फर्जी मुकदमों में फंसा चुका है और अब जान से मारने की धमकियां देते हुए रात के समय गांव के बाहर अपने साथियों के साथ घेराबंदी भी कर रहा है।

घटना की सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम के आने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। गौरतलब है कि पीड़ित के जेठ की पूर्व में हत्या हो चुकी है, जिससे परिवार की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़िता ने प्रशासन से आरोपी के ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के कागजों की जांच सहित कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अनहोनी को टाला जा सके।

दो दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को आर्थिक सहायता की संस्तुति

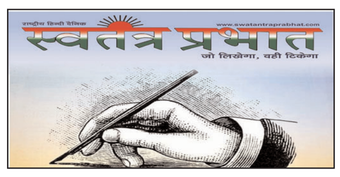

लखनऊ। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने दो दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को मुख्यमंत्री कोष से आर्थिक सहायता दिए जाने की राज्य सरकार से संस्तुति की है। लखनऊ के मुख्य धारा के दो पत्रकारों विधि सिंह और मोहम्मद इरफान का दो माह पूर्व असमयिक निधन हो गया था। यू.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी एवं लखनऊ मंडल के अध्यक्ष शिवशरन सिंह ने उक्त दोनों स्वर्गीय पत्रकारों के परिवारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से आर्थिक सहायता दिए जाने का अनुरोध किया था। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने यूनियन के उसी अनुरोध पत्र पर मुख्यमंत्री सहायता कोष से आर्थिक सहायता दिए जाने की संस्तुति की है।

युवती का आठ सालों से शारीरिक शोषण कर रहा है मंदिर का महंत

●तहरीर देने के बाद भी पीड़िता की फरियाद नहीं सुन रही है पुलिस

●पीड़िता ने कहा न्याय न मिला तो मुख्यमंत्री की जनता अदालत में सीएम से करेगी न्याय की फरियाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज-रायबरेली। लालगंज नगर के सर्राफा मंडी स्थित एक मंदिर के महन्त एक युवती को बीते 8 वर्षों से ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण करता रहा। पीड़ित महिला कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर मंहत के काले कारनामे उजागर किया है। इस सम्बन्ध में कोतवाली पुलिस ने मूंक रवैया अख्तियार किया हुआ है। मंदिर का मंहत बीते आठ सालों से न पीड़िता शीलू निवासी शांतीनगर लालगंज के साथ जबरन अबैध सम्बध बना रखा है। मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बांटे गये प्रसाद में नशीला पदार्थ खिला कर न केवल बेहोश कर दिया बल्कि दुराचार कर उसी नग्न वीडियो बना कर सालों से अपना उल्लू सीधा कर रहा है। पीड़िता ने बताया कि जब उसने विरोध किया तो पति व उसके बच्चों की हत्या की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने बताया कि उसके साथ हो रहे अत्याचार में उसकी मां की भूमिका संदिग्ध है। महंत अयोध्या की एक गद्दीधारी मंहत का शिष्य भी है।

पीड़िता का कहना है कि इसने उसकी मां को विश्वास में लेकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा है। इस महंत ने उसकी शादी अयोध्या में अपने भतीजे के साथ करा कर वहां भी उसका शारीरिक शोषण कर रहा है। महंत के काले कारनामे उजागर होने के बाद मंहत पर भरोसा करने वाले उनके शिष्यों के पैरों के तले से जमीन खिसक गयी है। इस महंत के खिलाफ लोगों में खांसा आक्रोश है। घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी गयी है लेकिन पीड़िता की नहीं सुन रही है। पीड़िता ने बताया कि कोतवाली के महिला डेस्क पर घटना की समूची जानकारी लिखित तौर पर दी है। महिला डेस्क ने उससे जल्द ही न्याय दिलाने का भरोसा दिया है। मगर तहरीर देने के तीन दिन बाद भी न तो उसकी प्राथमिकी दर्ज की है और न ही कोई जांच ही शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक और महिला पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का दावा कर रहे हैं वहीं रायबरेली जिले की लालगंज कोतवाली पुलिस पीड़ितों को न्याय दिलाने के बजाय उन्हे टहला रही है। आठ साल से शरीरिक शोषण का शिकार महिला मानसिक उत्पीड़न के दौर से गुजर रही है। मगर कोई सुनने वाला नहीं है। पीड़िता शीलू का कहना है कि मंहत आये दिन जान से मारने की धमकी इस लिए दे रहा है कि वह अपना मुंह बंद कर ले। पीड़िता ने कहा कि पुलिस ने उसके साथ घटित घटना की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई न की तो वह मुख्यमंत्री की जनता अदालत पंहुच कर न्याय की फरियाद करेगी।

हनुमान मंदिर परिसर में श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में शनिवार को सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर की व्यापक साफ सफाई की गई। मंदिर के पुजारी, सेवादार और सफाई कर्मियों ने मिलकर श्रमदान किया। परिसर में फैले कूड़े को एकत्र किया गया। इसके बाद कूड़े का समुचित निस्तारण कराया गया। मंदिर के आसपास की साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। मंदिर के पुजारी ने आने वाले श्रद्धालुओं से भी साफ सफाई बनाए रखने की अपील की गई। मंदिर के पुजारी पं. सत्यम द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छता से ही पवित्रता बनी रहती है। नियमित सफाई से मंदिर का वातावरण अच्छा रहता है। इस मौके पर शिवम मिश्रा, लक्ष्मी बाबा, शिवम और सफाई कर्मी मौजूद रहे।

मजदूरी मांगने पर युवती समेत चार श्रमिकों को लाठी डंडों से पीटा, केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के झाऊलाल का पुरवा गांव में शनिवार को मजदूरी मांगना चार श्रमिकों को भारी पड़ गया। काश्तकार व उसके परिजनों ने युवती समेत चार लोगों को लाठी-डंडों से पीट दिया। इससे सभी घायल हो गए। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बहाई गांव निवासी वीरू, अंकित, तनुजा और ऋषि पासी ने संयुक्त रूप से पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने बताया कि वे लोग गेहूं की कटाई करने झाऊलाल का पुरवा गांव गए थे। काम पूरा होने के बाद मजदूरी मांगने पर काश्तकार से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी बात पर देशराज, उसका बेटा पंकज और अवधेश भड़क गए। तीनों ने खेत में लगे बांस और डंडे उखाड़ लिए। इसके बाद चारों श्रमिकों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। एक एक कर सभी को बेरहमी से पीट दिया।मारपीट में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर चीख पुकार मच गई।आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच बचाव किया। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मजदूरी मांगने पर ही उन्हें निशाना बनाया गया। घटना के बाद श्रमिकों में दहशत का माहौल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट और एससी एसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अलीगढ़ में सड़क धंसने से मजदूर की मौत; सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ में पाइपलाइन मरम्मत के दौरान दुर्घटना में एक श्रमिक की मौत का संज्ञान लिया है। मामले के लिए जांच कमेटी का गठन कर दिया गया है। अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति घटना की सम्पूर्ण जांच कर 3 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इसके साथ ही मृतक मजदूर के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद घोषित की गई है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि अलीगढ़ नगर निगम द्वारा रेलवे रोड क्षेत्र में संचालित सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत सड़क, सीवर एवं नाला निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसी क्रम में अप्सरा सिनेमा के सामने क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य जलकल विभाग द्वारा कराया जा रहा था। कार्यस्थल पर सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेत और सुरक्षा उपकरण भी लगाए गए थे। बावजूद इसके पाइपलाइन जोड़ने के दौरान अचानक सड़क का एक हिस्सा ढह गया, जिससे एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नगर निगम ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन 76.94 फीसदी अभ्यर्थी हुए शामिल, बरेली से एक 'मुन्ना भाई' गिरफ्तार

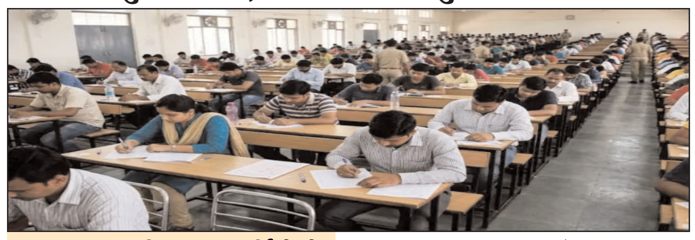

● 76.94 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया।

भ्रामक सूचना फैलाने पर FIR, बरेली में गिरफ्तारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा दूसरे दिन रविवार को भी प्रदेश के 74 जनपदों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा 1053 केंद्रों में दो पालियों में आयोजित की गई थी। रविवार को आयोजित परीक्षा में कुल 8,44,066 अभ्यर्थियों में से 6,49,435 अभ्यर्थी शामिल हुए। कुल उपस्थिति 76.94 प्रतिशत दर्ज की गई। शनिवार को भी परीक्षा में 25 प्रतिशत अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे थे। परीक्षा के दौरान इंटरनेट मीडिया पर भ्रामक सूचना फैलाने के मामले में भी कार्रवाई की गई है। यूट्यूब चैनल 'अर्जुन विद रोजगार' और टेलीग्राम चैनल 'यूपी होमगार्ड पेपर' के खिलाफ लखनऊ के हुसैनगंज थाने में आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, बरेली जिले में एक अभ्यर्थी को दूसरे के नाम पर परीक्षा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच में पाया गया कि अभ्यर्थी ने अलग-अलग नामों से दो केंद्रों पर परीक्षा दी थी, जबकि बायोमेट्रिक व फोटो रिकॉर्ड समान पाए गए।

आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा में अनियमितता या धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। अभ्यर्थियों को भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने और पूरी ईमानदारी से परीक्षा देने की अपील की गई है।

लखनऊ की सलोनी ने लगाई ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की उड़ान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सलोनी का विश्व विख्यात ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एमबीए प्रोग्राम के लिए हुआ एडमिशन सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष डॉ0 पुष्पलता अग्रवाल की पोती एवं सेंट जोसेफ विद्यालय समूह के प्रबंध निदेशक एवं निर्माणाधीन ज्ञानशिला विश्वविद्यालय के चेयरमैन अनिल अग्रवाल की बेटी है सलोनी सेंट जोसेफ मॉन्टेसरी स्कूल राजीपुरम की एलुमिनाई सलोनी अग्रवाल ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम मे एमबीए कोर्स में एडमिशन लेकर अपने माता पिता एवं पूरे विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया। सलोनी के पिता सेंट जोसेफ विद्यालय समूह के प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल हैं और शिक्षा के क्षेत्र में विगत 28 वर्षों से अनवरत कार्य कर रहे हैं। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर सलोनी की माता नम्रता अग्रवाल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सलोनी की अथक मेहनत और निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने और उसे प्राप्त करने की लगन की वजह से ही उसे आज यह उपलब्धि प्राप्त हुई है, हम सब बहुत खुश हैं। सलोनी ने अपनी बैचलर्स की पढ़ाई यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन से कर एवं विश्व की अकाउंटिंग की प्रथम 4 कंपनियों में से एक प्राइसवाटरहाउस कूपर क्क्२ष में दो वर्षों से कार्य कर रही है। आज उसने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एमबीए कोर्स मैं एडमिशन लेकर यह साबित किया कि यदि कोई लक्ष्य निर्धारित कर लिया जाए, तो उसे पाना असंभव नहीं है, बस उसके लिए कठोर परिश्रम की आवश्यकता है। सलोनी की दादी सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर पुष्पलता अग्रवाल है और उन्हें अपनी पोती के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एडमिशन की बेहद प्रसन्नता है। उन्होंने कहा, जल्दी ही सलोनी अपना कोर्स करके वापस आएगी और जो ज्ञानशिला विश्वविद्यालय निर्माणाधीन है उसमें अपने पिता अनिल अग्रवाल का सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि सलोनी का भाई सृजन अग्रवाल भी किंग्स कॉलेज लंदन से अपना एमबीए कर रहा है और वह भी जल्दी ही विद्यालय के कार्यों को देखेगा और संस्था को आगे बढ़ाएगा। यह नाम

सलोनी की इस उपलब्धि पर पूरे विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। जिन शिक्षक शिक्षिकाओं ने सलोनी को पढ़ाया था, वे सभी अत्यधिक उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सलोनी शुरुआत से ही अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहती थी और जो ठान लेती थी वो करके दिखाती थी सलोनी विद्यालय की हर गतिविधियों में भाग लेती थी। उसके ऑलराउंडर होने की प्रतिभा ने ही यह दर्शा दिया था कि वह अपने जीवन में कुछ न कुछ बड़ा करेगी। आज उसने विश्व की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेकर यह बात साबित कर दी है। विद्यालय की प्रधानाचार्या लीना शर्मा ने कहा कि लंदन से लौटने पर सलोनी का विधिवत सम्मान सेंट जोसेफ विद्यालय समूह द्वारा किया जाएगा।

एक क्लिक से बच सकती है जानः सेफ्टी वीक में सीट बेल्ट को लेकर जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से 'सेफ्टी वीक 2026' के तहत सीट बेल्ट के महत्व को लेकर सुएज द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से लोगों को यह समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि एक छोटी-सी आदत–सीट बेल्ट लगाना–जीवन और मृत्यु के बीच बड़ा अंतर बना सकती है। अभियान में आम धारणा (मिथ) और वास्तविकता (फैक्ट) के बीच का फर्क स्पष्ट किया गया है। अक्सर लोग मानते हैं कि दुर्घटना के समय सीट बेल्ट उन्हें वाहन में फंसा सकती है, जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि सीट बेल्ट तेजी से खुलने के लिए ही डिजाइन की जाती है और यह व्यक्ति को वाहन से बाहर फेंके जाने से बचाती है, जो अधिक खतरनाक होता है। इसी तरह पहाड़ी क्षेत्रों में कई लोग सीट बेल्ट को अनावश्यक समझते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार अचानक ब्रेक या फिसलन की स्थिति में बिना सीट बेल्ट के वाहन से बाहर फेंके जाने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यहां तक कि 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पर भी बिना सीट बेल्ट गंभीर या जानलेवा चोट लग सकती है। विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया कि अनुभवहीनता या अनुभव–दोनों ही दुर्घटनाओं को नहीं रोक सकते, लेकिन सीट बेल्ट चोट के खतरे को काफी हद तक कम कर देती है।

इस अवसर पर सुएज के हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजर पंकज सिंह ने कहा कि हर व्यक्ति को यात्रा से पहले सीट बेल्ट अवश्य लगानी चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सुएज लखनऊ में अपनी विभिन्न साइटों पर इस अभियान को सक्रिय रूप से चला रहा है और अपने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस विषय में जागरूक कर रहा है। 'सीट बेल्ट–एक क्लिक जो सब कुछ बदल दे,' यही संदेश इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

पशु स्वास्थ्य से किसान समृद्धिः धूमधाम से मना विश्व पशु चिकित्सा दिवस

देवरिया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीवीओ डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने की। इस अवसर पर प्रोग्राम मैनेजर राजन विश्वकर्मा, मोबाइल वेटनरी यूनिट 1962 के पशु चिकित्सक डॉ. अंकित, डॉ. बलवन्त, डॉ. प्रजेश नारायण, डॉ. वेंकटेश्वर, डॉ. पारसनाथ सहित एमटीएस व चालकगण उपस्थित रहे। सदर पशु चिकित्सालय से राकेश भारती, सत्येंद्र, रामप्रताप व धन्वन्तरि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सीवीओ डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पशु चिकित्सक समाज के मूक सेवक हैं। पशुओं का स्वास्थ्य सीधे किसानों की आय और जनस्वास्थ्य से जुड़ा होता है। उन्होंने टीम भावना के साथ कार्य करने और मोबाइल वेटनरी यूनिट 1962 के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पशु सेवा के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया।

वर्दी का गौरव और सीएम का साथ', लखनऊ पुलिस लाइन में गूंजी महिला आरक्षियों की शपथ, योगी सरकार की नीतियों को सराहा

सीएम योगी ने पुलिस दीक्षांत परेड में भाग लिया।

महिला आरक्षियों ने सरकार की नीतियों की सराहना की।

महिलाओं को सुरक्षा और जिम्मेदारी का अवसर मिला।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह में शामिल हुए। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद चयनित महिला आरक्षियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और सरकार की नीतियों की सराहना की। रायबरेली की दीप्ति पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में महिला आरक्षी पद की शपथ लेना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा के साथ जिम्मेदारी निभाने का अवसर दिया है। जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगी।

योगी सरकार में बढ़ा महिलाओं का मान-सम्मान

चयनित पुलिस आरक्षी सुमन यादव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार का यह कदम महिलाओं के मान-सम्मान को बढ़ाने वाला है। उन्होंने महिलाओं से आगे आकर देश और प्रदेश की सेवा करने की अपील की। जौनपुर की प्रीति पटेल ने कहा कि योगी सरकार में महिलाओं को समान अवसर मिल रहे हैं और भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है। गाजीपुर की श्रुति यादव ने कहा कि उन्हें देश और प्रदेश की सेवा करने का मौका मिला है, यह उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी से सभी चयनित आरक्षियों का उत्साह कई गुना बढ़ गया है।

सीएम योगी के नेतृत्व में बढ़ा आत्मविश्वास

आरक्षी के पद पर चयनित काजल सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग का हिस्सा बनकर बेहद अच्छा लग रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और किसी से डर नहीं लगता। उन्होंने कहा कि सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनकर समाज को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। आरक्षी के पद पर चयनित आरती यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवा का अवसर मिलना सम्मान की बात है और वह अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगी।

उत्साहित दिखीं चयनित आरक्षी

आरक्षी पद पर चयनित मिर्जापुर की अर्चना गिरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शपथ लेना उनके जीवन का यादगार पल है। उन्होंने महिलाओं से आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। वहीं प्रियंका मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने सभी आरक्षियों में नई ऊर्जा भरने का काम किया है। वहीं आरक्षी अंजलि मौर्य भी चयनित होकर काफी उत्साहित नजर आई। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएम योगी के कुशल नेतृत्व की वजह से प्रदेश की महिलाएं अलग- अलग क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

सिलापथार बारूवती में 19वां रंगाली बिहू सम्मेलन का आयोजन

असम धेमाजी- सिलापथार बारूवती में बारुवती आंचलिक युवा समाज और बारुवती गांव के लोगों द्वारा आयोजित इस 19वां रंगाली बिहू सम्मेलन कल से 12, 13 और 14 बहाग तीन दिवसीय विस्तार कार्यकमों के साथ कल से शुभारंभ किया जाएगा। तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। गांव में कई युवाओं ने मिलकर हर तरफ के तैयारियां ने लगे हुए हे , बुजुर्ग लोगों ने भी कार्य में हाथ बटाते हुए दिखाई दी ।सम्मेलन में कई सांस्कृतिक प्रतियोगिता को शामिल किया गया है जिसमें पारंपरिक जेंग बिहू, हुचरि नृत्य बत्तख पकड़ना, अंडे से लड़ना, मटकी फोड़ना शामिल रहेगा। अनुष्ठान में गांव से शादी हुए लड़कियों एवं दामादो को भी आमंत्रित किया गया। दिन में आम बैठक में जानेमाने लोगों शामिल होंगे। समिति के कार्यकर्ता बिक्रम गोगोई ने दिए जानकारी अनुसार आखिरी दिन के अनुष्ठान में असम के जानेमाने सिंगर पापरी गोगोई और कौशिक प्रियम का संगीत अनुष्ठान में भाग लेंगे। अनुष्ठान में हर वर्ग के लोगों को भाग लेकर अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए आह्वान किया।

जनता इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

तालगांव सीतापुर परसेंडी क्षेत्र के जनता इंटर कॉलेज तालगांव के विद्यार्थियों ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला। विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों ने खासतौर पर शानदार प्रदर्शन किया। असमी बानो ने 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं मशीरह जुनेद अंसारी ने 91 प्रतिशत, अजमी ने 89 प्रतिशत, पलक जायसवाल ने 87.5 प्रतिशत तथा तैय्यबा नूर ने 86.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इन विद्यार्थियों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम मानी जा रही है। इसके अतिरिक्त विद्यालय के 23 अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर सामूहिक रूप से सफलता की नई इबारत लिखी। विद्यार्थियों ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अभिभावकों और शिक्षकों को देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण से हर सफलता संभव है। साथ ही उन्होंने आगामी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को भी पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करने का संदेश दिया। विद्यालय में इस उपलब्धि पर उत्सव जैसा माहौल रहा। विद्यालय प्रबंधक मानू अंसारी ने सभी सफल विद्यार्थियों को फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता आने वाले समय में और बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा देगी। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भी इसी तरह बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

'30 दिन बाद फिर होगी पार्टी', व्हाइट हाउस में फायरिंग के बाद बेखौफ ट्रंप, अब तक कितने बार हुए हमले?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। व्हाइट हाउस करेस्पांडेंट्स डिनर में हुई गोलीबारी की घटना के बाद राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने देशवासियों से एकता की अपील की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते राजनीतिक तनाव और हिंसा के बीच अमेरिका को अपने मतभेद शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की जरूरत है। उन्होंने संकेत दिया कि करेस्पांडेंट्स डिनर को 30 दिनों के भीतर दोबारा आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम इसे और भी बड़े व बेहतर तरीके से आयोजित करेंगे। ट्रंप ने कहा कि मेलानिया ट्रंप के लिए ये घटना भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है। व्हाइट हाउस में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हमें अपने मतभेद सुलझाने होंगे-रिपब्लिकन, डेमोक्रेट और निर्दलीय सभी को साथ आना होगा।' उन्होंने बताया कि घटना के दौरान डिनर में मौजूद लोगों के बीच एक दुर्लभ एकजुटता देखने को मिली। ट्रंप ने कहा कि यह आयोजन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और द्विदलीय संवाद का प्रतीक है, जो इस घटना के बाद और भी महत्वपूर्ण हो गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम दोनों दलों और मीडिया को साथ लाने के लिए था, और एक मायने में इसने ऐसा किया भी। उन्होंने राजनीतिक हिंसा के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए कहा कि देश को शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया के प्रति फिर से प्रतिबद्ध होना चाहिए। ट्रंप ने जोर दिया कि हम अपने मतभेद शांतिपूर्वक सुलझाएं, हिंसा को जगह न दें। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं या सार्वजनिक जीवन को बाधित नहीं कर सकतीं। हम किसी को भी अपने समाज को कब्जे में नहीं लेने देंगे। हम कार्यक्रमों को रद नहीं करेंगे।

हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की सालाना व्हाइट हाउस करेस्पांडेंट्स डिनर पार्टी में शनिवार रात एक हमलावर ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। सुरक्षा घेरा तोड़कर ट्रंप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हमलावर को मुख्य बालरूम में प्रवेश करने से पहले ही काबू कर लिया गया। इस दौरान हुई पांच-छह राउंड फायरिंग से वॉशिंगटन हिल्टन होटल में मौजूद करीब ढाई हजार मेहमानों में अफरातफरी मच गई और गोलीबारी की आवाज से पूरा परिसर दहल उठा। हमले में एक सीक्रेट सर्विस एजेंट घायल हुआ, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उसे गंभीर चोट नहीं आई। उसे एहतियातन अस्पताल ले जाया गया। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों ने राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। राष्ट्रपति ट्रंप पर उनके दो कार्यकाल में यह तीसरा हमला था। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी प्रमुख अतिथि सुरक्षित हैं। घटना के बाद कार्यक्रम रद कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि वॉशिगटन हिल्टन होटल के बाहर ही 1981 में पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी जानलेवा हमला हुआ था।

कोल टामस की गिरफ्तारी

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, हमलावर की पहचान कैलिफोर्निया निवासी 31 वर्षीय कोल टामस एलेन के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक वह टोरेंस इलाके में शिक्षक के रूप में काम करता था। अधिकारियों के अनुसार, उसके पास से शाटगन, हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए हैं। उसने हमला क्यों किया, इसकी जांच की जा रही है। एफबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है और होटल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। यह भी जांच का विषय है कि वह इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हथियारों के साथ होटल के भीतर कैसे पहुंचा। बताया गया है कि वह होटल में मेहमान के तौर पर ठहरा हुआ था।घटना की पूरी दुनिया में निंदा हुई है।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत निकली भव्य शोभा यात्रा, गूंजे 'गौ माता राष्ट्र माता' के नारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। संतों एवं गौसेवकों के नेतृत्व में 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभा यात्रा पत्थर गिरिजाघर से प्रारंभ होकर हनुमान निकेतन तक पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुई। यात्रा में समाज के विभिन्न वर्गों–संत समाज, गौसेवकों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों–की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। शोभा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में 'गौ हत्या बंद हो' एवं 'गौ माता राष्ट्र माता' जैसे जोशीले नारों की गूंज सुनाई दी, जिसने वातावरण को धार्मिक एवं भावनात्मक रूप से ऊर्जावान बना दिया। श्रद्धालु हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर गौ संरक्षण से जुड़े संदेश लिखे हुए थे। यात्रा के दौरान आयोजकों द्वारा आम नागरिकों को अभियान से जोड़ने का भी प्रयास किया गया। कई स्थानों पर लोगों ने आगे बढ़कर अपने हस्ताक्षर किए और गौ संरक्षण के समर्थन में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस दौरान अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने लोगों को आगामी 27 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम की जानकारी भी दी। आयोजकों के अनुसार, 27 अप्रैल को तहसील एवं जिला स्तर पर संबंधित स्थरू कार्यालयों में पहुंचकर देश के शीर्ष नेतृत्व–माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री–के नाम प्रार्थना पत्र सौंपा जाएगा, जिसमें गौ संरक्षण से जुड़ी प्रमुख मांगों को रखा जाएगा। गौमाता की सेवा, संरक्षण एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए,

गौहत्या का पूर्णतः उन्मूलन किया जाए,गौमाता को राष्ट्रीय धरोहर अथवा राष्ट्रीय सम्मान का दर्जा प्रदान किया जाए, आयोजकों ने बताया कि यह अभियान केवल धार्मिक भावना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक जागरूकता बढ़ाना और गौवंश के संरक्षण के प्रति सरकार एवं समाज का ध्यान आकर्षित करना है। कार्यक्रम के समापन पर संतों ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में 27 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर इस जनआंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की।

असम के बराक-त्रिपुरा रेलपथ के पूर्ण विद्युतीकरण की मांग तेज

● शिलचर-अगरतला समेत दुल्लभछड़ा रूट पर आधुनिक ट्रेनों की मांग उठी

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम के बराक घाटी और त्रिपुरा को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण रेलमार्ग दुल्लभछड़ा-अगरतला-करीमगंज शिलचर-बदरपुर रूट के पूर्ण विद्युतीकरण की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रूट के अधिकांश हिस्सों में विद्युतीकरण का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, शिलचर-अगरतला सहित दुल्लभछड़ा रेलमार्ग लंबे समय से उत्तर-पूर्व क्षेत्र का एक प्रमुख संपर्क माध्यम रहा है। इस मार्ग पर नियमित यात्री ट्रेनें चलती हैं और बदरपुर, करीमगंज तथा दुल्लभछड़ा जैसे स्टेशन महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। इसके बावजूद यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की मांग है कि पूरे मार्ग का जल्द से जल्द पूर्ण विद्युतीकरण कर आधुनिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाए। इससे यात्रा समय में कमी आएगी, पर्यावरण प्रदूषण घटेगा और यात्रियों को अधिक आरामदायक सेवा उपलब्ध होगी। साथ ही भविष्य में इस मार्ग पर बेहतर एवं संभावित उच्च गति वाली ट्रेनों के संचालन की संभावना भी बढ़ेगी। स्थानीय लोगों ने कहा, 'जो भी शेष कार्य है उसे शीघ्र पूरा कर इस मार्ग पर इलेक्ट्रिक ट्रेन सेवा शुरू की जाए यही हमारी प्रमुख मांग है। 'वहीं रेलवे अधिकारियों की ओर से अभी तक पूर्ण विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक ट्रेन संचालन की कोई निश्चित समय-सीमा घोषित नहीं की गई है। हालांकि संबंधित सूत्रों के अनुसार, अवसंरचना विकास कार्य जारी है।

दिल्ली में संजय झील पार्क बदहाल, हरियाली गायब और आपत्तिजनक गतिविधियों से सुरक्षा पर उठे सवाल

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में यमुनापार की प्राकृतिक धरोहर माने जाने वाला त्रिलोकपुरी स्थित संजय झील पार्क इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार है। लापरवाही के चलते न केवल इसकी प्राकृतिक सुंदरता खत्म होती जा रही है, बल्कि यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पार्क में हरियाली तेजी से गायब हो रही है। पेड़-पौधों की उचित देखरेख न होने से कई पेड़ सूख गए हैं, जबकि कुछ बेजान अवस्था में खड़े हैं। नियमित सिंचाई और रखरखाव की कमी के कारण पार्क की जमीन से हरियाली लगभग खत्म हो गई है। इसके चलते यहां धूल उड़ती रहती है, जो आने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इससे पार्क की पहचान भी प्रभावित हो रही है।

महिलाएं और बच्चे पार्क में जाने से बचने लगे

शाम ढलते ही पार्क में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। टूटी चाहरदीवारी, अंधेरे और निगरानी की कमी का फायदा उठाकर यहां आपत्तिजनक गतिविधियां की जाती हैं। इससे आसपास के लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं।

चूहे खा गए रिश्वत की रकमः सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पृष्ठ 1 की शेष खबर

क्या वाकई चूहे इतना शौकीन हैं?

यह पूरा मामला सिस्टम की गंभीर खामियों को दर्शाता है। मालखानों और गोदामों में सुरक्षा की व्यवस्था कैसी है? सबूत गायब होने का यह दावा कितना विश्वसनीय है? विशेषज्ञ कहते हैं कि बेहतर स्टोरेज, सीसीटीवी निगरानी और सख्त ऑडिट की आवश्यकता है ताकि इस तरह के झूठे बहानों से बचा जा सके। इतना ही नहीं, इन घटनाओं की तुलना अन्य राज्यों से भी की जा रही है, जहां कथित तौर पर चूहों को शराब या नशीली वस्तुओं का सेवन करते हुए दिखाया गया है। क्या ये बस सिस्टम की कमजोरी का परिणाम है या फिर झारखंड में कुछ और ही खेल चल रहा है?

इंदौर के विजय नगर थाने में रखे सैंपल खा गए चूहे, हाईकोर्ट ने कहा- बड़े थाने का ये हाल, तो छोटे में क्या होगा -12 Oct 2024

जिन मालखानों में प्रकरणों से जुड़े साक्ष्य रखे जाते हैं, उन्हीं की हालत इतनी बदतर है कि मालखाने में रखा विसरा खराब हो जाता है। इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि जब इंदौर के सबसे व्यस्त पुलिस स्टेशनों में से एक विजय नगर पुलिस थाने के ऐसे हालात हैं तो छोटे स्थानों पर पुलिस स्टेशनों की स्थिति क्या होगी। डीजीपी प्रदेश के सभी थानों के मालखानों में रखे दस्तावेजों, साक्ष्य के उचित रखरखाव का प्रबंध करें।

मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने डीजीपी को यह आदेश विजय नगर पुलिस थाने से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए दिया है। अंसार नामक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने पत्नी की हत्या का केस दर्ज किया है। अंसार ने चौथी बार जमानत याचिका दायर की थी।

हाईकोर्ट ने तलब किए थे दस्तावेज

कोर्ट ने मामले में जब दस्तावेज तलब किए तो पुलिस ने बताया कि महिला का विसरा और अन्य दस्तावेज जिस बाक्स में रखे थे उसे चूहें क्षतिग्रस्त कर चुके हैं। इसलिए पुलिस हिस्टोपैथोलाजिकल रिपोर्ट प्राप्त नहीं कर सकी। पुलिस ने 28 अन्य नमूने भी चूहों द्वारा नष्ट करने की बात कही थी।

पुलिस थानों की स्थिति हुई उजागर

न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर ने जमानत याचिका निरस्त करते हुए आदेश दिया कि पुलिस अधिकारियों को जांच के दौरान जब्त की गई सामग्री की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि इस मामले में कुछ नहीं किया जा सकता लेकिन इस घटना ने कम से कम पुलिस स्टेशनों में जांच के दौरान एकत्र किए गए सामान, सामग्री की

दयनीय स्थिति को उजागर तो कर ही दिया है।

तत्कालीन टीआई और मालखाना प्रभारी पर जांच शुरू

सुनवाई के दौरान पुलिस ने कोर्ट को बताया कि तत्कालीन विजय नगर थाना प्रभारी और मालखाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

कौशांबी में चूहे खा गए लाखों का गांजा व पी गए शराब, -22 Mar 2026

जिला पुलिस के आंकड़ों की मानें तो सरायअकिल, मंझनपुर, सैनी, कोखराज इलाके में पिछले कुछ सालों में गांजा की भारी खेप बरामद हुई है। यह गांजा किस हाल में है, मौजूदा समय है भी यह नहीं? इसकी स्पष्ट जानकारी अफसरों के पास भी नहीं है। माना जा रहा है कि सात क्विंटल से अधिक गांजा हो सकता है लेकिन वस्तु स्थित के बाबत किसी को जानकारी नहीं है

शादी समारोह में हुए विवाद ने पकड़ा तूल, पुलिस ने दोनों पक्षों पर की 'शांति भंग' की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़ी देवरिया गांव में एक शादी समारोह के दौरान शुरू हुआ मामूली विवाद अब पुलिसिया कार्रवाई तक पहुँच गया है। छेड़खानी और मारपीट के गंभीर आरोपों के बाद, जांच में मामला आपसी कहासुनी का पाए जाने पर पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 12 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता मोहम्मद इरफान ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 16 अप्रैल की शाम, गांव के ही निवासी साहिल ने उनकी पुत्री नसरा के साथ छेड़खानी की। इरफान का आरोप था कि विरोध करने पर आरोपी ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही, उन्होंने एक शादी समारोह के दौरान साहिल और उसके दोस्तों द्वारा पुत्री से दुर्व्यवहार और उनके साथ मारपीट करने का भी दावा किया था।

पुलिस जांच और जमीनी हकीकत

आईजीआरएस (IGRS) के तहत मामले की जांच उप-निरीक्षक सुमित्रा कुमारी को सौंपी गई। पुलिस द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करने और स्थानीय स्तर पर पूछताछ करने के बाद कहानी में बदलाव नजर आया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, जांच में यह पाया गया कि दोनों पक्ष एक ही गांव के एक शादी समारोह में गए थे, जहां किसी बात को लेकर उनके बीच तीखी बहस और कहासुनी हुई थी। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि आवेदक द्वारा लगाए गए छेड़खानी जैसे अन्य गंभीर आरोपों की मौके पर पुष्टि नहीं हो सकी है।

पुलिस की सख्त कार्रवाई

दोनों पक्षों के बीच व्याप्त तनाव और भविष्य में शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए, चिनहट पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस ने बीएनएसएस (BNSS) की धारा 126/135 के तहत द्विपक्षीय कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित लोगों का चालान किया हैः **प्रथम पक्षः** मोहम्मद इरफान, आफताब अली, फुरकान अली, रेशमा, सुकैया और काजल। **द्वितीय पक्षः**मोहम्मद रफीक, आसिया बानो, रहिशन

बानो, मोहम्मद आरिफ, साहिल और शबनम।

> 'जांच में पाया गया कि शादी में हुए विवाद के कारण दोनों पक्षों में काफी कसीदगी है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों को भारी मुचलके से पाबंद करने हेतु माननीय न्यायालय को रिपोर्ट भेजी गई है।'

> – रिपोर्ट, थाना चिनहट

वर्तमान स्थिति

पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि वर्तमान में मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। थाना प्रभारी ने जांच रिपोर्ट से सहमति जताते हुए मामले को निक्षेपित करने की संस्तुति दी है।

पंजाब ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, दिल्ली के खिलाफ किया रिकॉर्ड रन चेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में आज का मैच दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। दिल्ली के खिलाफ पंजाब ने 265 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए थे। डीसी के लिए केएल राहुल ने आईपीएल करियर का छठा शतक लगाते हुए नाबाद 152 रन बनाये, जबकि नीतीश राणा ने 91 रनों की पारी खेली थी। पीबीकेएस के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने शुरुआत की। दोनों के बीच 126 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी हुई। प्रभसिमरन (76), प्रियांश आर्या (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली। ये आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज है। पिछला सबसे बड़ा रन चेज भी पंजाब किंग्स के नाम था।

पंजाब की रिकॉर्ड जीत

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब किंग्स ने 265 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए थे। डीसी के लिए केएल राहुल ने नाबाद 152, जबकि नीतीश राणा ने 91 रनों की पारी खेली थी। पीबीकेएस के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने शुरुआत की। दोनों के बीच 126 रनों की साझेदारी हुई। प्रभसिमरन (76), प्रियांश आर्या (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली। ये आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज है।

श्रेयस अय्यर ने लगायी फिफ्टी

रिकॉर्ड जीत के करीब पंजाब किंग्स, कप्तान ने लगाया 26 गेंदों में अर्धशतक।

नेहल वढेरा आउट

पंजाब किंग्स का चौथा विकेट गिरा, नेहल वढेरा 15 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। विप्रज निगम ने लिया उनका विकेट।

दिल्ली में अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश, 80 लाख की स्मैक बरामद

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पूर्वी जिले की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर कुल 475 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 80 लाख रुपये बताई जा रही है। डीसीपी पूर्वी दिल्ली राजीव कुमार ने बताया कि मुखबिर से ड्रग तस्करी के बड़े नेटवर्क के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के इंचार्ज अरुण कुमार की अगुवाई में विकास, अमित, अरुण व अनामिका की टीम को अलर्ट किया गया। टीम ने गाजीपुर रोड, एनएच-24 से गाजीपुर सब्जी मंडी मार्ग के पास जाल बिछाया और संदिग्ध व्यक्ति मोहम्मद आरिफ को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 270 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

आरआर बनाम एसआरएचः वैभव सूर्यवंशी का 'खौफनाक' अवतार, शतक ठोक हिंगे को सिखाया सबक

● बीच मैदान पूरा किया पुराना बदला ट्रेनों की मांग उठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए कमाल कर दिया। उन्होंने 36 गेंदों पर शतक लगाया। सूर्यवंशी ने इसी के साथ आईपीएल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा दूसरे सबसे तेज शतक लगाया। इस लिस्ट में पहले स्थान पर भी वैभव का ही नाम शामिल है। सूर्यवंशी ने मुकाबले में एक बदला भी लिया, जहां वे हैदराबाद के खिलाफ पिछले मुकाबले में जीरो पर आउट हो गए थे। सूर्यवंशी ने मुकाबले में अपने बल्ले से जलवा बिखेरा और आईपीएल करियर का दूसरा शतक ठोक दिया। इससे पहले आईपीएल 2025 में अपने डेब्यू सीजन में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाया था। अब उन्होंने जयपुर में हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया है। इसी के साथ सूर्यवंशी ने हैदराबाद के तेज गेंदबाद प्रफुल्ल हिंगे से अपना बदला भी पूरा कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने लगाया शतक

15 वर्षीय खिलाड़ी ने पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पहले 16 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर 36 गेंदों पर सेंचुरी ठोक दी। सूर्यवंशी ने आईपीएल में भारतीय बल्लेबाज के द्वारा दूसरा सबसे तेज शतक लगाया है। पहले स्थान पर भी उन्हीं का नाम शामिल है, जहां आईपीएल 2025 में 35 गेंदों पर शतक लगाया था। सूर्यवंशी 37 गेंदों पर 103 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 5 चौके 12 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे।

सूर्यवंशी ने अपना हिसाब किया बराबर

सूर्यवंशी इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में जीरो रन पर आउट हो गए थे। उन्हें प्रफुल्ल हिंगे ने पहली गेंद पर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया था। सूर्यवंशी ने उस मुकाबले की कसर इस मैच में पूरी की और शतक लगाया। वैभव को आउट करने के बाद हिंगे ने कहा था कि उन्होंने अंडर-23 के एक मैच में भी सूर्यवंशी को बाउंसर पर आउट किया था। ऐसे में इस मैच में भी उन्होंने ऐसा किया। प्रफुल्ल का कहना था कि उन्होंने गेंदबाजी कोच से यही प्लान बनाया था।

हिंगे के पहले ओवर में जड़े 4 छक्के

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपना हिसाब बराबर करते हुए इस मुकाबले में हिंगे के खिलाफ पहले ही ओवर में लगातार 4 छक्के जड़े। हैदराबाद के गेंदबाज ने पिछले मैच में वैभव को जीरो पर आउट किया था लेकिन इस मैच में उनकी बाउंसर वाली रणनीति काम नहीं आई। सूर्यवंशी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और शतक ठोक दिया।

मोहम्मद रफ़ी और लता मंगेशकर का 58 साल पुराना गाना आज भी है सदाबहार, दिल को छूते हैं लिरिक्स

● 58 साल पुराना गाना आज भी है मोस्ट रोमांटिक

●मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर ने दी थी आवाज

●दिल को छू जाते हैं इसके लिरिक्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मोहम्मद रफी भारतीय संगीत के इतिहास की वो आवाज थे, जो आज भी अमर है। उन्होंने बॉलीवुड को कई ऐसे गीत दिए जो उस वक्त तो हिट थे ही लेकिन आज भी वे उतने ही सदाबहार हैं और उनके फैंस की प्लेलिस्ट में शामिल हैं। वहीं अगर किसी गाने में उनके साथ लता मंगेशकर ने सुर मिलाए हों फिर तो बात ही अलग है।आज हम एक ऐसे ही गाने के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर ने मिलकर गाया था। ये गाना उस वक्त तो हिट था ही आज 58 सालों बाद भी ये कल्ट बना हुआ है।

कौन सा है ये गाना?

जिस गाने की हम बात कर रहे हैं वो 1968 में रिलीज हुई रोमांटिक एक्शन फिल्म इज्जत का है। जिसमें धर्मेंद्र , तनुजा, जयललिता और महमूद जैसे कलाकारों ने काम किया था। इस गाने के बोल हैं- 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं...हम क्या करें'। इस गाने के को साहिर लुधियानवी ने लिखा था और मोहम्मद रफी के साथ लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में पिरोया था। कल्ट सॉन्ग के लिरिक्स इतने इमोशनल हैं कि आज भी दो प्यार करने वालों के दिलों को छू जाते हैं। वहीं जो म्यूजिक लवर्स हैं उनकी प्लेलिस्ट में जरूर शामिल होता है।

यूट्यूब पर मिले कितने व्यूज

इस गाने को लोग इतना सुनते हैं कि इसे

यूट्यूब पर 226 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। इस सॉन्ग के म्यूजिक डायरेक्टर लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल थे।

मोहम्मद रफी के बारे में

मोहम्मद रफी (24 दिसंबर 1924 - 31 जुलाई 1980) एक भारतीय प्लेबैक सिंगर थे। उनके गाने तेज, जोशीले गानों से लेकर देशभक्ति गीतों तक, उदास गानों से लेकर बेहद रोमांटिक गानों तक, कव्वालियों से लेकर गजलों तक और भजनों से लेकर शास्त्रीय गीतों तक अलग-अलग तरह के होते थे। 1967 में, भारत सरकार ने उन्हें चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म श्री से सम्मानित किया।